SET-3

Series SGN

कोड नं.
Code No. **58/3**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **24** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **11** printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **24** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

अर्थशास्त्र

ECONOMICS

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) दोनों खण्डों के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(ii) प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

(iii) प्रश्न संख्या **1 – 4** तथा **13 – 16** अति लघुत्तरात्मक प्रश्न हैं, जिनमें प्रत्येक का **1** अंक है । इनका प्रत्येक का उत्तर **एक वाक्य** में ही अपेक्षित है ।

(iv) प्रश्न संख्या **5 – 6** और **17 – 18** लघुत्तरात्मक प्रश्न हैं, जिनमें प्रत्येक के **3** अंक हैं । प्रत्येक का उत्तर सामान्यतः **60** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

(v) प्रश्न संख्या **7 – 9** और **19 – 21** भी लघुत्तरात्मक प्रश्न हैं, जिनमें प्रत्येक के **4** अंक हैं । प्रत्येक का उत्तर सामान्यतः **70** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

(vi) प्रश्न संख्या **10 – 12** और **22 – 24** दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न हैं, जिनमें प्रत्येक के **6** अंक हैं । प्रत्येक का उत्तर सामान्यतः **100** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।

(vii) उत्तर संक्षिप्त तथा तथ्यात्मक होने चाहिए तथा यथासंभव ऊपर दी गई शब्द सीमा के अंतर्गत ही दिए जाने चाहिए ।

General Instructions :

(i) ***All*** *questions in both the sections are compulsory.*

(ii) *Marks for questions are indicated against each question.*

(iii) *Question Nos.* ***1 – 4*** *and* ***13 – 16*** *are very short-answer questions carrying* ***1*** *mark each. They are required to be answered in* ***one sentence*** *each.*

(iv) *Question Nos.* ***5 – 6*** *and* ***17 – 18*** *are short-answer questions carrying* ***3*** *marks each. Answers to them should normally not exceed* ***60*** *words each.*

(v) *Question Nos.* ***7 – 9*** *and* ***19 – 21*** *are also short-answer questions carrying* ***4*** *marks each. Answers to them should normally not exceed* ***70*** *words each.*

(vi) *Question Nos.* ***10 – 12*** *and* ***22 – 24*** *are long-answer questions carrying* ***6*** *marks each. Answers to them should normally not exceed* ***100*** *words each.*

(vii) *Answers should be brief and to the point and the above word limits should be adhered to as far as possible.*

खण्ड अ

SECTION A

1. जब 100 इकाई उत्पादन करने की कुल स्थिर लागत ₹ 30 हो और औसत परिवर्ती लागत ₹ 3 हो, तो कुल लागत होगी : (सही विकल्प चुनिए) *1*

(क) ₹ 3

(ख) ₹ 30

(ग) ₹ 270

(घ) ₹ 330

When the total fixed cost of producing 100 units is ₹ 30 and the average variable cost ₹ 3, total cost is : (Choose the correct alternative)

(a) ₹ 3

(b) ₹ 30

(c) ₹ 270

(d) ₹ 330

2. जब औसत उत्पाद (AP) अधिकतम होता है, तब सीमांत उत्पाद (MP) : (सही विकल्प चुनिए) *1*

(क) औसत उत्पाद के समान होता है

(ख) औसत उत्पाद से कम होता है

(ग) औसत उत्पाद से अधिक होता है

(घ) उपर्युक्त में से कोई भी हो सकता है

When the Average Product (AP) is maximum, the Marginal Product (MP) is : (Choose the correct alternative)

(a) Equal to AP

(b) Less than AP

(c) More than AP

(d) Can be any one of the above

3. सकारात्मक (आदर्शक) अर्थशास्त्र का एक उदाहरण दीजिए । *1*

State one example of positive economics.

4. स्थिर (निश्चित) लागत की परिभाषा दीजिए । *1*

Define fixed cost.

5. "तकनीक के चयन" की केन्द्रीय समस्या समझाइए । *3*

अथवा

"किसके लिए उत्पादन किया जाय" की केन्द्रीय समस्या समझाइए । *3*

Explain the central problem of "choice of technique".

OR

Explain the central problem of "for whom to produce".

6. बेलोच माँग से क्या अभिप्राय है ? पूर्णतया बेलोच माँग से इसकी तुलना कीजिए । *3*

What is meant by inelastic demand ? Compare it with perfectly inelastic demand.

7. जब एक वस्तु की कीमत ₹ 4 प्रति इकाई से बढ़कर ₹ 5 प्रति इकाई होती है, तो इसकी बाज़ार पूर्ति 100 इकाई से बढ़कर 120 इकाई हो जाती है । पूर्ति की कीमत लोच का परिकलन कीजिए । क्या पूर्ति लोचदार है ? कारण दीजिए । *4*

When the price of a commodity changes from ₹ 4 per unit to ₹ 5 per unit, its market supply rises from 100 units to 120 units. Calculate the price elasticity of supply. Is supply elastic ? Give reason.

8. उच्चतम कीमत सीमा निर्धारण से क्या अभिप्राय है ? इसके परिणाम समझाइए । *4*

What is meant by price ceiling ? Explain its implications.

9. एक वस्तु की कीमत पता होने पर एक उपभोक्ता यह कैसे तय करेगा कि वह उस वस्तु की कितनी मात्रा खरीदे ? समझाइए । *4*

अथवा

अनधिमान वक्र क्या है ? अनधिमान वक्रों की तीन विशेषताएँ बताइए । *4*

Given the price of a good, how will a consumer decide as to how much quantity to buy of that good ? Explain.

OR

What is Indifference Curve ? State three properties of indifference curves.

10. एकाधिकारी प्रतियोगिता की तीन विशेषताएँ बताइए । इनमें से कौन-सी विशेषता इसे पूर्ण प्रतियोगिता से भिन्न करती है और क्यों ? *6*

अथवा

निम्नलिखित के परिणाम समझाइए : *6*

(क) पूर्ण प्रतियोगिता में फर्मों के प्रवेश करने और उद्योग छोड़ने की स्वतंत्रता

(ख) अल्पाधिकार में ग़ैर-कीमत प्रतियोगिता

State three characteristics of monopolistic competition. Which of the characteristics separates it from perfect competition and why ?

OR

Explain the implications of the following :

(a) Freedom of entry and exit of firms under perfect competition

(b) Non-price competition under oligopoly

11. अनधिमान वक्र विश्लेषण द्वारा उपभोक्ता के संतुलन की शर्तें समझाइए । *6*

Explain the conditions of consumer's equilibrium using Indifference Curve Analysis.

12. सीमांत आगम (सम्प्राप्ति) और सीमांत लागत की सहायता से उत्पादक के संतुलन की शर्तें समझाइए । *6*

Explain the conditions of producer's equilibrium in terms of marginal revenue and marginal cost.

खण्ड ब
SECTION B

13. मुद्रा आपूर्ति की परिभाषा दीजिए । *1*

Define money supply.

14. निम्नलिखित में से कौन-सा राष्ट्रीय आय को प्रभावित करता है ? (सही विकल्प चुनिए) *1*

(क) वस्तु एवं सेवा कर

(ख) निगम कर

(ग) आर्थिक सहायता

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Which of the following affects national income ? (Choose the correct alternative)

(a) Goods and Services tax

(b) Corporation tax

(c) Subsidies

(d) None of the above

15. उपभोग वक्र उद्‌गम से क्यों नहीं शुरू होता है ? *1*

Why does consumption curve not start from the origin ?

16. केन्द्रीय बैंक ऐसा करके ऋण की उपलब्धता को बढ़ा सकता है : (सही विकल्प चुनिए) *1*

(क) पुनर्खरीद दर (रेपो रेट) बढ़ाकर

(ख) प्रति पुनर्खरीद दर (रिवर्स रेपो रेट) बढ़ाकर

(ग) सरकारी प्रतिभूतियाँ खरीदकर

(घ) सरकारी प्रतिभूतियाँ बेचकर

The central bank can increase availability of credit by : (Choose the correct alternative)

(a) Raising repo rate

(b) Raising reverse repo rate

(c) Buying government securities

(d) Selling government securities

17. सामान्य आय ज्ञात होने पर हम वास्तविक आय कैसे ज्ञात कर सकते हैं ? समझाइए । *3*

अथवा

निम्नलिखित में से कौन-सी अंतिम वस्तुएँ हैं और कौन-सी मध्यवर्ती ? कारण दीजिए । *3*

(क) चाय स्टॉल द्वारा दूध की खरीद

(ख) स्कूल द्वारा बस की खरीद

(ग) स्कूल कैन्टीन से विद्यार्थी द्वारा जूस की खरीद

Given nominal income, how can we find real income ? Explain.

OR

Which among the following are final goods and which are intermediate goods ? Give reasons.

(a) Milk purchased by a tea stall

(b) Bus purchased by a school

(c) Juice purchased by a student from the school canteen

18. गुणक की परिभाषा दीजिए । सीमांत उपभोग प्रवृत्ति और गुणक के बीच क्या संबंध है ? यदि गुणक का मान 4 हो, तो सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का परिकलन कीजिए । *3*

Define multiplier. What is the relation between marginal propensity to consume and multiplier ? Calculate the marginal propensity to consume if the value of multiplier is 4.

19. मुद्रास्फीतिकारी अंतराल से क्या अभिप्राय है ? इस अंतराल को कम करने के तीन उपाय बताइए । *4*

अथवा

समग्र (कुल) माँग से क्या अभिप्राय है ? इसके घटक बताइए । *4*

What is meant by inflationary gap ? State three measures to reduce this gap.

OR

What is meant by aggregate demand ? State its components.

20. सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का मूल्य 0·6 है और अर्थव्यवस्था की प्रारम्भिक आय ₹ 100 करोड़ है । आय, उपभोग और बचत दिखाते हुए एक तालिका तैयार कीजिए । यदि स्वायत्त निवेश ₹ 80 करोड़ हो, तो आय का संतुलन स्तर भी दिखाइए । *4*

The value of marginal propensity to consume is 0·6 and initial income in the economy is ₹ 100 crores. Prepare a schedule showing Income, Consumption and Saving. Also show the equilibrium level of income by assuming autonomous investment of ₹ 80 crores.

21. भारतीय रिज़र्व बैंक की "अंतिम ऋणदाता" के रूप में भूमिका समझाइए । *4*

Explain the role of the Reserve Bank of India as the "lender of last resort".

22. (क) विनिमय दर में वृद्धि के राष्ट्रीय आय पर प्रभाव समझाइए । *6*

(ख) भुगतान संतुलन में 'घाटे' की अवधारणा समझाइए ।

(a) Explain the impact of rise in exchange rate on national income.

(b) Explain the concept of 'deficit' in balance of payments.

23. परिकलन कीजिए (क) बाज़ार कीमत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद, तथा (ख) साधन (उपादान) लागत पर सकल घरेलू उत्पाद : *4+2=6*

		(₹ करोड़ों में)
(i)	किराया और ब्याज	6,000
(ii)	मज़दूरी तथा वेतन	1,800
(iii)	अवितरित लाभ	400
(iv)	निवल अप्रत्यक्ष कर	100
(v)	आर्थिक सहायता	20
(vi)	निगम कर	120
(vii)	विदेशों को निवल कारक आय	70
(viii)	लाभांश	80
(ix)	अचल पूँजी का उपभोग	50
(x)	नियोजकों द्वारा सामाजिक सुरक्षा अंशदान	200
(xi)	मिश्रित आय	1,000

Calculate (a) Net National Product at market price, and (b) Gross Domestic Product at factor cost :

		(₹ in crores)
(i)	Rent and interest	6,000
(ii)	Wages and salaries	1,800
(iii)	Undistributed profit	400
(iv)	Net indirect taxes	100
(v)	Subsidies	20
(vi)	Corporation tax	120
(vii)	Net factor income to abroad	70
(viii)	Dividends	80
(ix)	Consumption of fixed capital	50
(x)	Social security contribution by employers	200
(xi)	Mixed income	1,000

24. निम्नलिखित के अर्थ समझाइए : *6*

(क) राजस्व घाटा

(ख) राजकोषीय घाटा

(ग) प्राथमिक घाटा

अथवा

सरकारी बजट के निम्नलिखित उद्देश्य समझाइए : *6*

(क) संसाधनों का आबंटन

(ख) आय असमानताएँ कम करना

Explain the meaning of the following :

(a) Revenue deficit

(b) Fiscal deficit

(c) Primary deficit

OR

Explain the following objectives of government budget :

(a) Allocation of resources

(b) Reducing income inequalities

English

SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAM

MARCH 2018

MARKING SCHEME
ECONOMICS – XII

SET (58/1/2/3)
Expected Answers / Value Points

GENERAL INSTRUCTIONS :

1 The Marking Scheme carries only suggested value points for the answers. These are only guidelines and do not constitute the complete answers. Students can have their own expression and if the expression is correct, marks should be awarded accordingly.

2 As per orders of the Hon'ble Supreme Court, a candidate would now be permitted to obtain a photocopy of his/her Answer Book on payment of the prescribed fee. Examiners/Head Examiners are, therefore, once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.

3 Head Examiners/Examiners are hereby instructed that while evaluating the answer books, if the answer is found to be totally incorrect, the (X) should be marked on the incorrect answer and awarded '0' mark.

4 Please examine each part of a question carefully and allocate the marks allotted for the part as given in the 'Marking Scheme' below. TOTAL MARKS FOR ANY ANSWER MAY BE PUT IN A CIRCLE ON THE LEFT SIDE WHERE THE ANSWER ENDS.

5 Expected/suggested answers have been given in the 'Marking Scheme'. To evaluate the answers, the value points indicated in the marking scheme should be followed.

6 For questions asking the candidate to explain or define, the detailed explanations and definitions have been indicated alongwith the value points.

7 For mere arithmetical errors, there should be minimal deduction. Only ½ mark should be deducted for such an error.

8 Where only two / three or a 'given' number of examples / factors / points are expected, only the first two / three or expected number should be read. The rest are irrelevant and must not be examined.

9 There should be no effort at 'moderation' of the marks by the evaluating teachers. The actual total marks obtained by the candidate may be of no concern to the evaluators.

10 Higher order thinking ability questions are for assessing a student's understanding / analytical ability.

General Note: In case of a numerical question, no marks should be awarded if only the final answer has been given, even if it is correct.

Expected Answer / Value Points

Set1	Set2	Set3	SECTION – A	Distribution of Marks
1.	3	2.	Problem of scarcity means insufficient availability of resources in relation to demand for the resources.	1
2.	2	3.	Cost in economics is the sum total of explicit cost and implicit cost including normal profit. Or, Cost in Economics is the sum of actual money expenditure on inputs and estimated value of inputs provided by the owners including normal profits.	1
3.	1	4.	(c) May fall or may rise.	1
4.	4	1.	(b) Rises	1
5.	5 (OR Up Down)	6.	Microeconomics studies the behaviour of individual economic units whereas macroeconomics studies the behavior of the economy as a whole. Example of microeconomics – consumer's equilibrium (or any other one relevant example) Example of macroeconomics – national income (or any other one relevant example.) **OR** Production Possibility Curve (PPC) shows various combinations/possibilities of the two goods that can be produced with given resources and technology assuming full and efficient utilization of resources. Yes, PPC can shift due to: a) Change in resources. b) Change in technology.	2 ½ ½ 1 1+1
6.	6	5.	i) Price of substitute goods ii) Price of complementary goods. iii) Income of its buyers. **(or any other three relevant determinants)**	3x1=3
7.	9.	8.	Demand curve will be parallel to the Y axis as there is no change in quantity demanded due to rise in the price of the commodity. **(Note : Diagram not required)**	4
8.	7.	9.	Revenue in Microeconomics means the market value of output. <u>Relation between MR and AR</u> **Schedule** **Units** **Price/AR** **MR** 1 10 10 2 10 10 3 10 10 4 10 10 **OR** **Diagram** 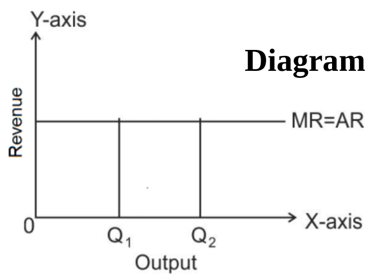 MR = AR at all levels of output MR curve is parallel to the X-	1 3

			axis and coincides with the AR curve. **OR** Supply refers to the quantity of a good which a producer is willing to supply at various possible prices during a given period of time. - Increase in supply means supply rises due to favourable change in factors affecting supply other than own price of that good whereas - Extension in supply means increase in quantity supplied due to rise in price of that good, other factors remaining constant.	1 1½ 1½
9.	8.	7.	'Price Floor' is the minimum price fixed by the government below which sellers cannot sell their product. Since this price is normally fixed above the equilibrium price, there is excess supply in the market. As the seller may not be able to sell all that he wants to sell, he may illegally attempt to sell the product at a price below the floor price fixed by the government.	1 3
10.	11.	12.	The consumer is in equilibrium when a) $\frac{MU_X}{P_X} = \frac{MU_Y}{P_Y}$ b) MU continuously falls. **Explanation** **Condition 1** Suppose per rupee marginal utility by spending on good X is greater than on good Y. This induces the consumer to spend more on good X by reducing spending on Y. This leads to fall in MU_X and rise in MU_Y. This shift of spending from good Y to good X continues till $\frac{MU_X}{P_X} = \frac{MU_Y}{P_Y}$ **(Answer based on $\frac{MU_X}{P_X} < \frac{MU_Y}{P_Y}$ is also acceptable)** **Condition 2** Marginal utility falls as more units are consumed i.e. the law of diminishing marginal utility is operating. This ensures fulfilment of the first condition. **(Diagram not required)** **OR** The three properties of ICs are 1) **An IC slopes downwards from left to right.** It is because to consume more quantity of one good, some quantity of the other good must be reduced for the consumer to remain on the same IC.	 1 1 3 1 1 1

			2) **An IC is convex towards origin.** It is because MRS declines as more is consumed of one good, because of operation of law of diminishing marginal utility. 3) **An IC to the right represents higher level of satisfaction**. It is because an IC to the right shows more units of goods consumed and more units of goods consumed are assumed to have more satisfaction. **(No diagram is required)**	1 1 1 1
11.	12.	10.	According to the Law of Variable Proportions – as only one input is increased, others remaining unchanged, the total product increases at an increasing rate, then at a decreasing rate and ultimately falls. 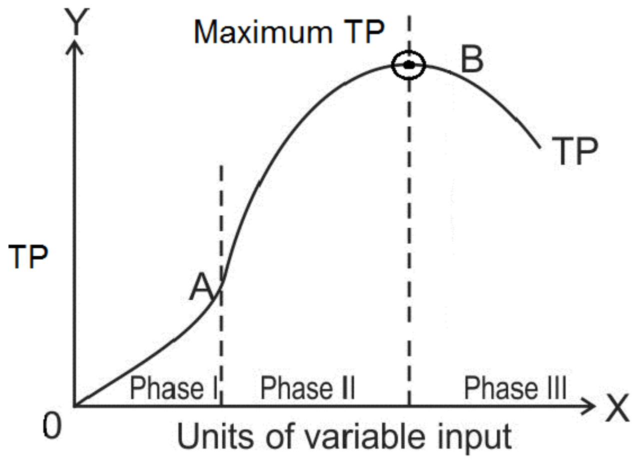 Phase I In the first phase, TP increases at an increasing rate upto point A. Phase II In the second phase, TP increases at a diminishing rate between point A & B. Phase III In the third phase, TP starts falling beyond point B. **FOR BLIND CANDIDATES –** Any Valid Schedule	1 2 1 1 1 2
12.	10.	11.	1) **Large number of buyers and sellers** – The number of buyers and sellers is so large that an individual seller or buyer has insignificant share of total output sold or purchased. 2) **Homogeneous products** – The buyers treat the products of all the firms in the industry as identical/homogeneous. 3) **Perfect knowledge** – All producers and consumers are fully informed about the market. 4) **Freedom of entry and exit** – There are no barriers in the way of new firms joining the industry and existing firms leaving the industry.	1½x4=6
13.	14.	16.	(a) Rises	1
14.	13.	15.	Money Multiplier = 5	1
15.	16.	14.	(b) Banking facilities to public	1
16.	15.	13.	APS = 0.25	1

17.	17.	18.	(a) A car used as a taxi - It is a capital good because it is used for producing services for generating income. (b) Refrigerator in a hotel – It is a capital good because it is used for providing services over a period of time to the production unit. (c) Air-conditioner in a house – It is a consumer good because it is used for satisfaction of a want by a household. **(No marks if reason is not given or is incorrect)** **OR** Intermediate Consumption refers to the expenditure incurred by a production unit on purchasing those goods and services from other production units, which are meant for resale or for using up completely during the same year. For example: Milk purchased by a hotel because it is purchased from another production unit for resale indirectly. (or any other relevant example) **Whereas** Final Consumption refers to the expenditure on goods and services meant for final consumption and investment.	1 1 1 1½ ½ 1
18.	18.	17.	i) C = 100 + 0.6Y (given) So MPC = 0.6 MPS = 1 – MPC = 1 – 0.6 = 0.4 ii) $S = -\bar{C} + (1 - b)Y$. S = –100 + 0.4 Y	1 1 1
19.	21.	20.	a) Bank Rate Policy – It is the rate at which the central bank lends funds to the commercial banks. An increase in the bank rate increases the costs of borrowing from the central bank. This will then cause banks to increase the rate at which they lend. This will discourage people from taking loans, thus reducing the volume of credit in the economy and vice-versa. b) Cash Reserve Ratio (CRR) – It is the proportion of deposits that commercial banks have to keep as cash reserves with the central bank. An increase in CRR has the effect of reducing the bank's excess reserves and thus decrease their ability to give credit. **(Any other relevant method is to be considered)** (Any Two) **OR** It means that the Central bank has the sole authority to issue currency notes in the country. The monopoly of issuing notes by the central bank ensures uniformity in the notes issued. **(To be marked as a whole)**	2 2 4

20. | 19. | 21.

National Income is determined in an economy at a point where planned saving equals planned investment. — 1

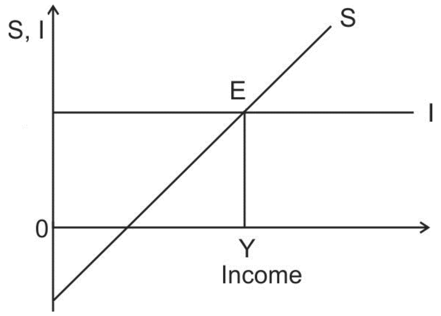

— 1½

In the above diagram E is the equilibrium point where savings equals investment at national income Y.

At any output level less than equilibrium output, S < I means there is unplanned decrease in inventories. To increase inventories to the planned level, producers increase output leading to increase in income. With such rise in income, saving rises again till S = I at equilibrium E. — 1½

(Note : Explanation with S > I, is also acceptable.)

FOR BLIND CANDIDATES – Any Valid Schedule — 1½

21. | 20. | 19.

Investment multiplier is a measure of the effect of change in the initial investment on change in final income. — 1

Numerical example

Suppose ΔI = ₹ 100 cr.

MPC = 0.8

Initial investment of ₹ 100 cr. raises the income by ₹ 100 cr. In the first round, this additional income causes an increase in consumption expenditure which in turn, generates more income (as one man's expenditure is another man's income). This process continues till the total income is equal to multiplier times the initial investment.

Round	**ΔY**	**ΔC**	**ΔS**
I	100 →	80	20
II	80 →	64	16
III	64	51.2	12.8
	–	–	–
	–	–	–
	–	–	–
Total	**500**	**400**	**100**

(or any other relevant example)

$$K = \frac{1}{1 - MPC}$$ — 3

$$K = \frac{1}{1 - 0.8}$$

$K = 5$

So $\Delta Y = K . \Delta I$

			= 5 x 100 = ₹500 **(Explanation without schedule is also acceptable)**	
22.	23.	23.	(a) Revenue expenditure – It is the expenditure made by the government that neither creates any assets nor reduces any liability. Capital expenditure – It is the expenditure incurred by the government that either creates assets or reduces liabilities. (b) Fiscal Deficit refers to the excess of 'total expenditure' over 'total receipts excluding borrowings'. **Whereas** Primary deficit is defined as fiscal deficit less interest payments. **OR** Revenue Receipts are receipts which neither create a liability nor lead to reduction in assets **whereas** Capital Receipts are the receipts which either create a liability or reduce assets of the govt. Components of Revenue Receipts are – - Tax revenue receipts (direct and indirect taxes) - Non-tax revenue receipts. Components of Capital Receipts are - recovery of loans - borrowings and other liabilities - other capital receipts like disinvestment.	1½ x 2=3 1½ x 2=3 3 1½ 1½
23.	24.	22.	Fixed exchange rate is the rate which is decided by the government at which domestic currency can be exchanged with foreign currency. Flexible exchange rate is the rate which is determined by the forces of demand and supply of foreign exchange in the foreign exchange market. The foreign exchange rate and demand for foreign exchange are inversely related. The supply of foreign exchange and rate of foreign exchange are directly related. The exchange rate at which demand and supply of foreign exchange are equal is the equilibrium exchange rate. **(Diagram is not required)**	2 4
24.	22.	24.	(a) GDP_{MP} = (ii) + (i) + (iii) + (iv) = 3,500 + 4,000 + 1,100 + 500 = ₹ 9,100 Crores (b) NNP_{FC} = GDP_{MP} – (ix) + (v) – (vi) = 9,100 – 120 + 100 – 300 = ₹ 8,780 Crores **(No marks to be awarded if only final answer is given)**	1½ 1 ½ 1½ 1 ½

Hindi

SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION MARCH-2018

अंक योजना – अर्थ शास्त्र (दिल्ली)

Expected Answers / Value Points

अपेक्षित उत्तर / मूल्यांकन बिंदु

सामान्य निर्देश

1 The Marking Scheme carries only suggested value points for the answers. These are only guidelines and do not constitute the complete answers. Students can have their own expression and if the expression is correct, marks should be awarded accordingly.

2 As per orders of the Hon'ble Supreme Court,a candidate would now be permitted to obtain a photocopy of his/her Answer Book on payment of the prescribed fee. Examiners/Head Examiners are, therefore, once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.

3 Head Examiners/Examiners are hereby instructed that while evaluating the answer books, if the answer is found to be totally incorrect, the (X) should be marked on the incorrect answer and awarded '0' mark.

4 Please examine each part of a question carefully and allocate the marks allotted for the part as given in the 'Marking Scheme' below. TOTAL MARKS FOR ANY ANSWER MAY BE PUT IN A CIRCLE ON THE LEFT SIDE WHERE THE ANSWER ENDS.

5 Expected/suggested answers have been given in the 'Marking Scheme'. To evaluate the answers, the value points indicated in the marking scheme should be followed.

6 For questions asking the candidate to explain or define, the detailed explanations and definitions have been indicated along with the value points.

7 For mere arithmetical errors, there should be minimal deduction. Only ½ mark should be deducted for such an error.

8 Where only two / three or a 'given' number of examples / factors / points are expected, only the first two / three or expected number should be read. The rest are irrelevant and must not be examined.

9 There should be no effort at 'moderation' of the marks by the evaluating teachers. The actual total marks obtained by the candidate may be of no concern to the evaluators.

10 Higher order thinking ability questions are for assessing a student's understanding / analytical ability.

General Note: In case of a numerical question, no marks should be awarded if only the final answer has been given, even if it is correct.

अपेक्षित उत्तर / मूल्यांकन बिंदु

भाग - अ

Question No.			अनुभाग – अ	Marks
1.	**2**	**3**	सर्वश्रेष्ठ विकल्प की मूल्य है		**1**
2.	**3**	**2**	शून्य उत्पादन स्तर पर	**1**
3.	**4**	**1**	(ब) वस्तु की कीमत	**1**
4.	**1**	**4**	(द) 1.5	**1**
5.	**6**	**5**	इस समस्या का सम्बन्ध उस स्थिती से है जब एक अर्थव्यवस्था तय करती है कि उसे किन वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करना है तथा कितनी मात्रा का उत्पादन किया जायेगा	क्योंकि संसाधन समान्यत: सीमित होते है तथा इनके वैकल्पिक प्रयोग होते हैं | **अथवा** उत्पादन संभावना वक्र निम्नलिखित परिस्थितियों में मूल बिंदु से दूर खिसक सकता है : १. संसाधनों में वृद्धि २. तकनीक में सुधार	**3** **1 ½** **1 ½**
6.	**5**	**6**	$Ed=\frac{\Delta Q}{\Delta P} X \frac{P}{Q}$ $-2 = \frac{100}{\Delta P} X \frac{20}{200}$ $-2 (\Delta P) = 10$ $\Delta P = -5$ **नयी कीमत = आरंभिक कीमत**+ ΔP = 20+(-)5 = ₹15	**1** **1** ½ ½
7.	**8**	**9**	बजट रेखा का समीकरण m = PxQx + PyQy जहाँ m = आय; इस प्रकार : 100 = 10Qx + 5Qy **अथवा** प्रतिस्थापन की सीमान्त दर से अभिप्राय उस वह दर से है, जिस पर एक उपभोक्ता एक वस्तु की अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने के लिए दूसरी वस्तु की मात्रा त्यागने को तैयार है| जैसे जैसे उपभोक्ता अनाधिमान वक्र पर नीचे की ओर आता है प्रतिस्थापन की सीमान्त दर लगातार घटती जाती है	यह दर्शाता है की जब उपभोक्ता X वस्तु की अतिरिक्त इकाई को प्राप्त करता है तो वह Y वस्तु की कम इकाईयो को त्याग करना चाहता है और इसका कारण है घटती सीमान्त उपयोगिता का नियम है|	 **1** **3** **1** **3**
8.	9	7	उत्पादक संतुलन की शर्ते है : १. MC = MR and २. MC = MR, उत्पादन स्तर के बाद MC>MR <u>**शर्त 1 की व्याख्या**</u> यदि MC<MR है तो , यह उत्पादक के लिए लाभदायक होगा क्योकि हर नयी इकाई के उत्पादन से लाभ में वृद्धि होगी, जिससे प्रेरित हो कर उत्पादक और उत्पादन करेगा तथा जब	 **1** **1** **1**

			तक की MC = MR न हो जाये | यदि MC>MR है, तब भी उत्पादक संतुलन में नही होगा क्योकि यहाँ लाभ संतुलन स्तर पर लाभ के स्तर से कम होगा जिससे उत्पादक उत्पादन में तब तक कमी करेगा जब तक की MC = MR न हो जाये | <u>शर्त 2 की व्याख्या</u> यदि MC = MR स्तर के पश्चात MC<MR होता है, तो प्रत्येक नयी इकाई लाभ में वृद्धि करेगी | यदि MC = MR स्तर के पश्चात MC>MR होता है, तो प्रत्येक नयी इकाई लाभ में कमी करेगी | अत: ऐसी स्थिति में उत्पादक और उत्पादन नही करेगा तथा उत्पादक संतुलन में होगा |	**1**
9.	**7**	**8**	प्रवेश तथा बहिर्गमन की स्वतंत्रता का निहितार्थ है कि फर्मो के उद्योग में प्रवेश तथा बहिर्गमन पर कोई अवरोध नही होते | जब वर्तमान फर्मे असामान्य लाभ अर्जित करती है तो नयी फर्मे उद्योग में प्रवेश के लिए प्रेरित होती है, इससे बाज़ार पूर्ती में वृद्धि होती है तथा कीमतों में तथा लाभ में कमी होती है | प्रवेश तब तक चलता रहता है जब तक कि फर्मे केवल सामान्य लाभ अर्जित करती है | इसी प्रकार जब फर्मो को हानि होती है तो कुछ फर्मे उद्योग को छोड़ देती है जिससे बाज़ार पूर्ती में कमी होती है परिणाम स्वरूप कीमत बढ़ जाती है तथा हानि में कमी आने लगती है इस प्रकार दीर्घ काल में फर्मे केवल सामान्य लाभ अर्जित करती है | **(एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**	**4**
10.	**12**	**11**	माना उपभोक्ता केवल दो वस्तुओं X तथा Y का उपभोग करता है तब संतुलन की शर्ते निम्न है : १ $\frac{MU_X}{P_X} = \frac{MU_X}{P_y}$ २ जब वस्तु की अधिक मात्रा का उपभोग किया जाता है तब MU घटती है व्याख्या : १. यदि $\frac{MU_X}{P_X} > \frac{MU_Y}{P_Y}$ इस स्थिति में उपभोक्ता को Y वस्तु के मुकाबले X वस्तु से अधिक प्रति रुपये सीमान्त उपयोगिता प्राप्त होती है अत: वह X वस्तु को अधिक खरीदेगा और Y वस्तु को कम खरीदेगा | इससे MU_X में कमी आयेगी और MU_y बढ़ेगा | उपभोक्ता तब तक Y को खरीदना जारी रखेगा जब तक $\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y}$ न हो जाये | (इस प्रकार $\frac{MU_x}{P_x} < \frac{MU_y}{P_y}$ पर आधारित उत्तर भी मान्य होगा) २. जब उपभोग बढता है तो MU घटता है | अगर MU नहीं घटेगा तो उपभोक्ता संतुलन स्तर पर नही पहुचेगा |	**1** **1** **3** **1**

11.	**10**	**12**	परीक्षक कृपया जांचें: (i) MC वक्र,ATC तथा AVC वक्रो को उनके न्यूनतम बिन्दुओ पर काटता है (ii) उत्पादन में वृद्धि के साथ ATC तथा AVC वक्रो के बीच की दूरी निरंतर घटती है । 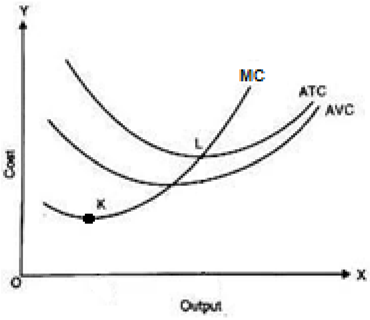 MC, AVC तथा AC के बीच संबंध: जब MC < ATC/AVC, ATC/AVC गिर जाता है MC = ATC /AVC , ATC /AVC स्थिर होता है MC > ATC /AVC , ATC /AVC बढ़ जाता है **दृष्टिहीन विद्यार्थियों के लिए कोई भी उपयुक्त संख्यात्मक तालिका**	**3** **3** **3**
12.	**11**	**10**	"न्यूनतम कीमत" सीमा निर्धारण से अभिप्राय उस न्यूनतम कीमत से है जिसे सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है तथा कोई भी उत्पादक अपने उत्पाद को इस कीमत से कम कीमत पर नही बेच सकता है | क्योकि समान्यता: यह कीमत संतुलन कीमत से अधिक होती है इसलिए बाज़ार में पूर्ति आधिक्य की स्थिती होती है अत: उत्पादक अपने उत्पाद को इस कीमत पर नही बेच पाता तथा वह गैरकानूनी रूप से न्यूनतम कीमत से कम कीमत पर अपने उत्पाद को बेचने का प्रयत्न करता है | **अथवा** एक वस्तु का बाज़ार संतुलन में है | मांग में कमी मौजूदा कीमत पर पूर्ति आधिक्य पैदा करती है। - इसके परिणामस्वरूप, विक्रेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा पैदा होती है, क्योंकि विक्रेता जो भी मात्रा सब मौजूदा कीमत पर बेचना चाहते है, वह बेचने में सक्षम नहीं होंगें - कीमत में गिरावट से मांग में वृद्धि और आपूर्ति में गिरावट होगी । - ऐसे परिवर्तन तब तक जारी रहते है जब तक बाजार नई संतुलन तक न पँहुच जाय । **(एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**	**2** **4** **6**
			अनुभाग ब	
13.	**16**	**14**	कारखानों तथा वाहनों द्वारा प्रदूषण **(कोई भी अन्य प्रासंगिक उदाहरण)**	**1**
14.	**15**	**13**	द) उपरोक्त सभी	**1**
15.	**14**	**16**	जनता के पास करेंसी तथा बैंको के पास की मांग जमायें	**1**
16.	**13**	**15**	समग्र पूर्ती से अभिप्राय किसी अर्थव्यवस्था में उत्पादन हेतु नियोजित सभी अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य से है |	**1**
17.	**1**	**1**	वे आर्थिक चर जिन्हें समय के एक निश्चित बिन्दु पर मापा जाता है स्टॉक कहलाते है| जैसे - पूँजी, आदि जबकि वे आर्थिक चर जिन्हें निश्चित समय अवधि में मापा जाता है प्रवाह कहलाते है जैसे - आय, आदि	**1 ½** **1 ½**

			(अन्य प्रासंगिक उदाहरण मूल्यांकन किये जाने चाहिए) **अथवा** पूंजीगत वस्तुएं, वे टिकाऊ वस्तुएं है जिनका वस्तुओ और सेवाओ के उत्पादन में प्रयोग किया जाता है **जबकि** उपभोक्ता वस्तुएं वे वस्तुएं है जिनका प्रयोग उपभोक्ताओ द्वारा अपनी आवश्कताओं की संतुष्टि के लिए किया जाता है |	**1 ½** **1 ½**
18.	**17**	**18**	निवेश गुणक एक ऐसा मापक है जो निवेश में प्रारंभिक परिवर्तन के फलस्वरूप आय में अंतिम परिवर्तन के अनुपात को मापता है | निवेश गुणक तथा सीमान्त उपभोग प्रवृति के बीच प्रत्यक्ष सम्बन्ध होता है अर्थात यदि सीमांत उपभोग प्रवृति का मूल्य ऊँचा है तो निवेश गुणक का मूल्य भी ऊँचा होगा | $K = \frac{1}{1 - MPC}$	**1** **2**
19.	**20**	**21**	केंद्रीय बैंक द्वारा अर्थव्यस्था में मुद्रा की आपूर्ति तथा साख के नियंत्रण के लिए जो नीति अपनाई जाती है उसे मोद्रिक नीति कहा जाता है मौद्रिक नीति के प्रमुख उपकरण हैं : बैंक दर, रेपो दर, रिवर्स रेपो दर, नकद आरक्षित अनुपात, सांविधिक चलनिधि अनुपात आदि । **(कोई तीन उपकरण)**	**1** **3**
20.	**21**	**19**	पूर्ण रोजगार वह स्थिति है जिसमें मजदूरी की प्रचलित दर पर जो श्रमिक कार्य करने की इच्छा व योग्यता रखता है उसे कार्य का अवसर उपलब्ध हो | यदि पूर्ण रोजगार के स्तर पर आवश्यक कुल पूर्ति से कुल मांग अधिक है (AD>AS) तो यह स्थिति अतिरिक्त मांग /स्फीतिक अन्तराल कहलाती है |इस स्थिति में उपलब्ध वस्तुएं एवम् सेवाएँ कुल मांग के आवश्यक स्तर से कम रह जाती हैं तथा पूर्ण रोजगार की स्थिति में अतिरिक्त वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन संभव नहीं होता जिससे सामान्य कीमत स्तर में वृद्धि होती है **(आरेख आवश्यक नहीं)** **अथवा** आय का संतुलन स्तर के निर्धारण करने के दो विकल्प हैं: i. समग्र मांग -समग्र पूर्ति अवधारणा (AD-AS अवधारणा) ii. बचत -निवेश अवधारणा(S-I अवधारणा)। दोनों के बीच आपसी संबंध: AD=AS (AD-AS अवधारणा) C+I = C+S I=S (S-I अवधारणा) **(आरेख आवश्यक नहीं)**	**1** **3** **2** **2**
21.	**19**	**20**	प्रत्याशित उपभोग से अभिप्राय अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय के निश्चित स्तर पर नियोजित उपभोग से है | स्वायत उपभोग से तात्पर्य उस उपभोग स्तर से है जो राष्ट्रीय आय पर निर्भर नही करता, अर्थात शून्य आय स्तर पर उपभोग, **जबकि** प्रेरित उपभोग से तात्पर्य उस उपभोग स्तर से है जो प्रत्यक्ष रूप से आय पर निर्भर करता है।	**1** **3**

22.	**23**	**23**	सरकारी बजट - सरकार की आगामी वित्तीय वर्ष की नियोजित प्राप्तियो और नियोजित व्यय का विवरण है| इसके प्रमुख घटक हैं : अ) राजस्व प्राप्तियाँ - सरकार की वह प्राप्तियाँ जिससे न तो सरकार की परिसम्पत्तियो में कमी आती है और न ही सरकार के दायित्वयो में वृद्धि होती है | ब) पूंजीगत प्राप्तियाँ – सरकार की वह प्राप्तियाँ जिससे या तो सरकार की परिसम्पत्तियो में कमी आती है या तो सरकार के दायित्वयो में वृद्धि होती है | स) राजस्व व्यय – सरकार का ऐसा व्यय जिससे न तो सरकार की परिसम्पत्तियो में वृद्धि होती है और न ही सरकार के दायित्वयो में कमी आती है | द) पूंजीगत व्यय – सरकार का ऐसा व्यय जिससे या तो सरकार की परिसम्पत्तियो में वृद्धि होती है और या तो सरकार के दायित्वयो में कमी आती है | **अथवा** सरकार के बजट का उद्देश्य: अ) संसाधनों का आबंटन - अर्थव्यवस्था में ऐसी अनेको आर्थिक क्रियाये है जो निजी क्षेत्र के लिए लाभदायक नही होती जैसे जल आपूर्ति, साफ़ सफाई आदि | जनता के हित को ध्यान में रखते हुए सरकार इन क्रियाओ का संचालन स्वयं करती है ताकि अधिकतम समाज कल्याण हो सके, साथ ही सरकार विभिन्न प्रकार की कर रियायतें तथा आर्थिक सहायता प्रदान करके निजी क्षेत्रो के उत्पादकों को जनता के हित में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करती है | ब) आर्थिक स्थिरता – आर्थिक स्थिरता का अर्थ है जब कीमतों में बड़े पैमाने पर उतार चढ़ाव नही होता क्योकि कीमतों में उतार चढ़ाव से अर्थवयवस्था में अनिश्चितता की स्थिति बनती है | सरकार ऐसे उतार चढ़ाव होने पर आर्थिक सहायता तथा कर रियायतें द्वारा नियंत्रण करती है | उदाहरण के लिए स्फीति अन्तराल की स्थिति में सरकार करो को बढ़ा कर तथा अपने व्ययों को कम करके समग्र मांग को कम करने में सहायता करती है जबकि अवस्फीति अन्तराल की स्थिति में आर्थिक सहायता तथा कर रियायतें दे कर समग्र मांग को बढाने में सहायता करती है | **(किसी अन्य कोई उपुक्त वर्णन हेतु अंक दें)**	**2** **1x4=4** **3** **3**
23.	**22**	**24**	**स्थिर विनिमय दर:** स्थिर विनिमय दरवह दर होती है जो सरकार द्वारा निर्धारित की जाती है तथा जिस दर पर घरेलु मुद्रा का विदेशी मुद्रा में विनिमय कि/जाता है । **नम्य विनिमय दर:** वह दर है जिसका निर्धारण विदेशी विनिमय बाज़ार में विदेशी विनिमय की मांग और पूर्ती की शक्तियों द्वारा किया जाता है। **प्रतिबंधित विनिमय दर** : यह विनिमय दर की ऐसी व्यवस्था है जिसके अंतर्गत केंद्रीय बैंक बाज़ार शक्तियों द्वारा निर्धारित विदेशी विनिमय दर को आवश्यक परिस्थितियों के अनुसार हस्तक्षेप कर प्रभावित करता है |	**2** **2** **2**
24.	**24**	**22**	अ) प्रचालन अधिशेष = (ii)+ [(iv) + (vii) + (viii)] = 800+ 460 + 940 + 300 = ₹ 2500 करोड़ ब) घरेलू आय = (i) + प्रचालन अधिशेष + (x) = 2,000 + 2500 + 200 = ₹4,700 करोड़ रुपए	**1½** **1** ½ **1½** **1** ½